पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार
****

'हर काम देश के नाम'

नई दिल्ली, अग्रहायण 07, 1945
मंगलवार, नवंबर 28, 2023

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने प्रोजेक्ट 15बी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक यार्ड 12706 (इम्फाल) की शिखा का अनावरण किया।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 28 नवंबर, 2023 को नई दिल्ली में मणिपुर के मुख्यमंत्री श्री एन बीरेन सिंह की उपस्थिति में प्रोजेक्ट 15 बी के चार निर्देशित मिसाइल विध्वंसकों में से तीसरे यार्ड 12706 (इम्फाल) का अनावरण किया। इम्फाल की शिखा कंगला महल और 'कंगला-सा' से सुसज्जित है। भारत की स्वतंत्रता, संप्रभुता और सुरक्षा के लिए मणिपुरी लोगों द्वारा जो बलिदान दिए गए उनके लिए इस शिखा का अनावरण एक उचित श्रद्धांजलि है।

शिखा के डिज़ाइन में बाईं ओर कंगला महल और दाईं ओर 'कंगला-सा' को दर्शाया गया है। कंगला महल मणिपुर का महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थल है। यह मणिपुर के पिछले राज्य की पारंपरिक गद्दी थी। ड्रैगन के सिर और शेर के शरीर से निर्मित 'कंगला-सा' राज्य का एक पौराणिक जीव है। मणिपुर में 'कंगला-सा' को संरक्षक के रूप में देखा जाता है और यह मणिपुर का राजकीय प्रतीक भी है।

भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किया गया और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल), मुंबई द्वारा निर्मित यह जहाज स्वदेशी जहाज निर्माण की एक मिसाल है और दुनिया में सबसे तकनीकी रूप से उन्नत युद्धपोतों में से एक है। इस जहाज को एमडीएल द्वारा 20 अक्टूबर, 2023 को भारतीय नौसेना को सौंपा गया था।

7,400 टन के विस्थापन वाले निर्देशित मिसाइल विध्वंसक और 164 मीटर की कुल लंबाई के साथ 'इम्फाल' एक शक्तिशाली और बहुमुखी प्लेटफार्म है जो अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर से लैस है, जिसमें सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एंटी-शिप मिसाइल और टॉरपीडो शामिल हैं। संयुक्त गैस और गैस (सीओजीएजी) प्रणोदन द्वारा संचालित यह युद्धपोत 30 समुद्री मील (56 किमी / घंटा) से अधिक गति प्राप्त करने में सक्षम है।

जहाज में लगभग 75% की उच्च स्वदेशी सामग्री है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें (बीईएल, बैंगलोर)
- ब्रह्मोस सतह से सतह मिसाइल (ब्रह्मोस एयरोस्पेस, नई दिल्ली)
- स्वदेशी टॉरपीडो ट्यूब लॉन्चर (लार्सन एंड टुब्रो, मुंबई)
- पनडुब्बी-रोधी स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर (लार्सन एंड टुब्रो, मुंबई)
- 76 मिमी सुपर रैपिड गन माउंट (भेल, हरिद्वार)

इंफाल की नींव 19 मई, 2017 को रखी गई थी और जहाज को 20 अप्रैल, 2019 को पानी में लॉन्च किया गया था। जहाज 28 अप्रैल, 2023 को अपने पहले समुद्री परीक्षणों के लिए रवाना हुआ था। यह युद्धपोत बंदरगाह व समुद्र में परीक्षणों के एक व्यापक कार्यक्रम से गुजरा है, जिसके बाद छह महीने की रिकॉर्ड समय-सीमा के भीतर 20 अक्टूबर, 2023 को इसकी डिलीवरी हुई।

अपने प्री-कमीशनिंग परीक्षणों के अंग के रूप में, इस युद्धपोत ने हाल ही में एक विस्तारित रेंज ब्रह्मोस मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया। इंफाल के निर्माण और परीक्षणों के लिए लिया गया समय किसी भी स्वदेशी विध्वंसक के लिए सबसे कम है। जहाज की डिलीवरी 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में प्रोत्साहन की पुष्टि है।

यह एक समुद्री परंपरा और एक नौसैनिक रिवाज है जिसके अनुसार कई भारतीय नौसेना जहाजों का नाम प्रमुख शहरों, पर्वत श्रृंखलाओं, नदियों, तालाबों और द्वीपों के नाम पर रखा गया है। भारतीय नौसेना को अपने नवीनतम और तकनीकी रूप से सबसे उन्नत युद्धपोत का नाम ऐतिहासिक शहर इम्फाल के नाम पर रखने पर बेहद गर्व है। यह उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के किसी शहर के नाम पर रखा जाने वाला पहला उन्नत युद्धपोत है, जिसके लिए राष्ट्रपति ने 16 अप्रैल, 2019 को मंजूरी दी थी।

इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार और रक्षा मंत्रालय तथा मणिपुर सरकार के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

एबीबी/एसएस